क्वाड समूह

प्रलिम्सि के लयि:

QUAD, HADR, इंडो-पैसफिकि

मेन्स के लयि:

भारत से जुड़े समूह और समझौते और/या भारत के हतिों को प्रभावति करने वाले, द्वपिक्षीय समूह और समझौते, QUAD एवं इसका महत्त्व

चर्चा में क्यों?

क्वाड (भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान) के वदिश मंत्रयिों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के आभासी मंच पर मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) साझेदारी पर हस्ताक्षर करने के लयि मुलाकात की।

- HADR के तहत **सदस्य देश अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसयिों, नजिी गैर-सरकारी संगठनों के साथ** हदि-प्रशांत क्षेत्र **में अपने आपदा प्रतक्रियिा कार्यों का समन्वय** करेंगे।

क्वाड समूह

- **क्वाड- भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान** का एक समूह है।
- सभी चारों राष्ट्र लोकतांत्रकि होने के कारण इनकी एक सामान आधारभूमि हैं और नरि्बाध समुद्री व्यापार और सुरक्षा के साझा हति का भी समर्थन करते हैं।
- इसका उद्देश्य **"मुक्त, स्पष्ट और समृद्ध" इंडो-पैसफिकि क्षेत्र** सुनश्चिति करना तथा उसका समर्थन करना है।
- क्वाड का वचिार पहली बार वर्ष 2007 में जापान के प्रधानमंत्री शजिो आबे ने रखा था। हालाँकि यह वचिार आगे वकिसति नहीं हो सका, क्योंकि चीन के ऑस्ट्रेलिया पर दबाव के कारण ऑस्ट्रेलिया ने स्वयं को इससे दूर कर लयि।
- अंतत: वर्ष 2017 में भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान ने एक साथ आकर इस "चतुर्भुज" गठबंधन का गठन कयि।

//

क्वाड व्यवस्था में भारत के लयि संभावनाएँ:

- **चीन से मुक़ाबला:**
    - **हमिालय में उपलब्ध अवसरवादी भूम हिड़पने के प्रयासों में संलग्न होने की तुलना में** समुद्री क्षेत्र चीन के लयि बहुत अधकि महत्वपूरण हैं।
        - चीनी व्यापार का एक बड़ा हस्सिा भारतीय समुद्री मार्गों से होता है जो समुद्री चौकयिों से होकर गुज़रता है।

- सीमाओं पर किसी भी चीनी आक्रमण की स्थिति में, भारत **क्वाड** देशों के सहयोग से चीनी व्यापार को संभावित रूप से बाधित कर सकता है।
- इसलिये महाद्वीपीय क्षेत्र के विपरीत भारत जहाँ चीन-पाकिस्तान की मिलीभगत के कारण 'नटक्रैकर जैसी स्थिति' का सामना कर रहा है, समुद्री क्षेत्र भारत के लिये गठबंधन, निर्माण, नियम स्थापित करने और रणनीतिक अन्वेषण के अन्य रूपों के लिये खुला है।

- **उभरते सुरक्षा प्रदाता की तरह:**
  - समुद्री क्षेत्र में विशेष रूप से 'हिंद-प्रशांत' की अवधारणा के आगमन के साथ महान शक्तियों के बीच रुचि बढ़ रही है। उदाहरण के लिये, कई यूरोपीय देशों ने हाल ही में अपनी हिंद-प्रशांत रणनीतियों को जारी किया है।
  - भारत-प्रशांत भू-राजनीतिक कल्पना के केंद्र में स्थित है, **'व्यापक एशिया'** की दृष्टि को साकार कर सकता है व **भौगोलिक सीमाओं से दूर अपने प्रभाव को बढ़ा सकता है।**
  - इसके अलावा भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत, खोज एवं बचाव या समुद्री डकैती विरोधी अभियानों के लिये **नौवहन की निगरानी, जलवायु की दृष्टि से कमज़ोर देशों को बुनियादी ढाँचा सहायता, कनेक्टिविटी पहल तथा** इसी तरह की गतिविधियों में सामूहिक कार्रवाई कर सकता है।
  - इसके अलावा क्वाड हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की साम्राज्यवादी नीतियों की जाँच कर सकता है तथा इस क्षेत्र में सभी के लिये **सुरक्षा और विकास सुनिश्चित कर सकता है।**

क्वाड से संबंधित मुद्दे:

- **अपरिभाषित दृष्टि:** क्वाड परिभाषित रणनीतिक मिशन के बिना एक तंत्र बना हुआ है, इसके बावजूद सहयोग की संभावना है।
- **समुद्री प्रभुत्व:** इंडो-पैसिफिक पर पूरा ध्यान क्वाड को एक भूमि-आधारित समूह के बजाय एक समुद्र का हिस्सा बनाता है, यह सवाल उठता है कि क्या यह सहयोग एशिया-प्रशांत और यूरेशियन क्षेत्रों तक फैला हुआ है।
- **भारत की गठबंधन प्रणाली का विरोध:** तथ्य यह है कि भारत एकमात्र सदस्य है जो संधि गठबंधन प्रणाली के खिलाफ है, इसने एक मज़बूत चतुष्पक्षीय जुड़ाव को लेकर प्रगति को धीमा कर दिया है।

आगे की राह

- क्वाड राष्ट्रों को सभी के आर्थिक एवं सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक **व्यापक ढाँचे में इंडो-पैसिफिक विज़न को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने की ज़रूरत है।**
- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत के कई अन्य साझेदार हैं, भारत ऐसे में **इंडोनेशिया और सिंगापुर जैसे देशों को इस समूह में शामिल होने के लिये आमंत्रित कर सकता है।**
- भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित करनी चाहिये, जिसमें वर्तमान एवं भविष्य की समुद्री चुनौतियों पर विचार करने, अपने सैन्य एवं **गैर-सैन्य उपकरणों को मज़बूत करने तथा रणनीतिक भागीदारों को शामिल करने पर ध्यान दिया जाए।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न : 'चतुर्भुज सुरक्षा संवाद' (QUAD) वर्तमान समय में स्वयं को एक सैन्य गठबंधन से व्यापार गुट के रूप में परिवर्तित कर रहा है। चर्चा कीजिये। **(मुख्य परीक्षा, 2020)**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/quad-grouping